CS(M) EXAM 2012

F[redacted]

ANTHROPOLOGY

Paper II

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Questions no. **1** *and* **5** *which are compulsory, and any* **three** *of the remaining questions selecting at least* **one** *question from each Section.*

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

IMPORTANT : Whenever a question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है ।

SECTION A

1. Write short notes (in about 150 words each) on the following : *12×5=60*

   (a) Sacred Geography

   (b) Youth Dormitory

   (c) Narmada Man

   (d) Participatory Rural Appraisal

   (e) Palaeolithic Art

2. (a) Trace the trajectory of encyclopaedic works on tribes and castes of South India with special reference to Ananthakrishna Iyer's contribution. *20*

   (b) Discuss the concept of 'indigenous people' as per the relevant UN convention. Are tribals of India indigenous people ? Comment. *20*

   (c) Critically examine the relationship between tribal communities and the Nation-State on issues of governance. *20*

3. (a) Examine the relevance of Tribal *Panchsheel* by Jawaharlal Nehru in the light of emerging development practices. *20*

   (b) Using ethnographic examples, highlight the processes of religious conversions in Tribal India. *20*

   (c) Using suitable examples, bring out the historical processes of the social exclusion of denotified tribes. *20*

खण्ड क

1. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (प्रत्येक टिप्पणी लगभग 150 शब्दों में) : *12×5=60*

   (क) पवित्र भूगोल

   (ख) युवक शयनशाला

   (ग) नर्मदा मानव

   (घ) सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन

   (ङ) पुरापाषाण कला

2. (क) दक्षिण भारत की जनजातियों और जातियों पर, अनंतकृष्ण अय्यर के योगदान का विशेष उल्लेख करते हुए, विश्वकोश-सदृश ग्रंथों के प्रपथ की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए । *20*

   (ख) संबद्ध सं. रा. अभिसमय के अनुसार 'मूलवासी' की संकल्पना पर चर्चा कीजिए । क्या भारत की जनजातियाँ मूलवासी हैं ? टिप्पणी कीजिए । *20*

   (ग) शासन के मुद्दों पर जनजातीय समुदायों और राष्ट्र-राज्य के बीच संबंध का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए । *20*

3. (क) जवाहरलाल नेहरू द्वारा 'जनजातीय *पंचशील*' की, प्रकट होती हुई विकास रीतियों के प्रकाश में, प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए । *20*

   (ख) नृजातिवृत्तीय उदाहरणों का इस्तेमाल करते हुए, जनजातीय भारत में धर्म परिवर्तनों के प्रक्रम पर प्रकाश डालिए । *20*

   (ग) उपयुक्त उदाहरणों का इस्तेमाल करते हुए, वि-अधिसूचित जनजातियों के सामाजिक बहिष्करण के ऐतिहासिक प्रक्रमों को उजागर कीजिए । *20*

4. (a) Compare the contributions of S.C. Roy and Verrier Elwin to tribal ethnographies in India. *20*

(b) Using ethnographic examples, point out how gender relations have changed over time among Central Indian tribes. *20*

(c) How has globalisation impacted agrarian relations in the last two decades ? *20*

4. (क) भारत में जनजातीय नृजाति-वर्णनों को एस.सी. रॉय और वैरियर ऐल्विन के योगदानों की तुलना कीजिए । 20

(ख) नृजाति-वर्णन उदाहरणों का इस्तेमाल करते हुए दर्शाइए कि केंद्रीय भारतीय जनजातियों में समय परिवर्तन के साथ स्त्री-पुरुष संबंध किस प्रकार बदल चुके हैं । 20

(ग) पिछले दो दशकों में वैश्वीकरण ने कृषिभूमि संबंधों पर किस प्रकार प्रभाव डाला है ? 20

SECTION B

5. Write short notes (in about 150 words each) on the following : *12×5=60*

(a) Colonial Ethnography

(b) Commodification of Tribal Art

(c) Soan culture

(d) Ethical issues in Genetic Research

(e) Indigenous knowledge

6. (a) Critically examine the prevalence of caste ideology among religious minorities in the Indian context. *30*

(b) Discuss the linkages between language, territoriality and kinship among the tribes of North-East India. *30*

7. (a) Critically examine the National Policy on Rehabilitation and Resettlement substantiating it with experiences from different parts of India. *30*

(b) Compare the salient features and distribution of the Middle Palaeolithic and Upper Palaeolithic cultures in India. Add a note on the tool traditions of the Upper Palaeolithic period. *30*

खण्ड ख

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (प्रत्येक टिप्पणी लगभग 150 शब्दों में) : *12×5=60*

   (क) औपनिवेशिक नृजाति-वर्णन

   (ख) जनजातीय कला का पण्यीकरण (कमौडिफिकेशन)

   (ग) सोन संस्कृति

   (घ) आनुवंशिक अनुसंधान में नैतिक मुद्दे

   (ङ) देशज ज्ञान

6. (क) भारत के संदर्भ में, धार्मिक अल्पसंख्यकों में जाति-विचारधारा की व्यापकता का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए । *30*

   (ख) उत्तर-पूर्वी भारत की जनजातियों में भाषा, प्रादेशिकता और बंधुता के बीच सहलग्नता का विवेचन कीजिए । *30*

7. (क) पुनर्वास और पुनः स्थापन पर राष्ट्रीय नीति का, भारत के विभिन्न भागों से प्राप्त हुए अनुभवों के द्वारा संपुष्टि करते हुए, समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए । *30*

   (ख) भारत में मध्य पुरापाषाण और उत्तर पुरापाषाण संस्कृतियों के प्रमुख अभिलक्षणों एवं व्यापकता की तुलना कीजिए । उत्तर पुरापाषाण अवधि की औज़ार परंपराओं पर एक टिप्पणी भी लिखिए । *30*

8. (a) Critically examine the 'book view' and the 'field view' of social reality. *20*

(b) Using examples, comment on how anthropology can be utilised in policy making. *20*

(c) Briefly comment on the linkage between :

(i) Gender and Customary Law *10*

(ii) Gender and Caste *10*

8. (क) सामाजिक यथार्थ की 'पुस्तक दृष्टि' और 'क्षेत्र दृष्टि' का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए । *20*

(ख) उदाहरणों का इस्तेमाल करते हुए, टिप्पणी कीजिए कि नृविज्ञान का नीति-निर्माण में किस प्रकार से उपयोग किया जा सकता है । *20*

(ग) निम्नलिखित के बीच सहलग्नता पर संक्षेप में टिप्पणी लिखिए :

(i) लिंग और रूढ़िजन्य विधि *10*

(ii) लिंग और जाति *10*

F-DTN-M-BOUB

नृविज्ञान

प्रश्न-पत्र II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है ।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए । प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे ।

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं । बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं ।

महत्त्वपूर्ण : यह आवश्यक है कि जब भी किसी प्रश्न का उत्तर दे रहे हों, तब उस प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर साथ-साथ दें । इसका अर्थ यह है कि अगले प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आगे बढ़ने से पूर्व पिछले प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर समाप्त हो जाएँ । इस बात का कड़ाई से अनुसरण कीजिए ।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े हुए पृष्ठों को स्याही में स्पष्ट रूप से काट दें । खाली छूटे हुए पृष्ठों के बाद लिखे हुए उत्तरों के अंक न दिए जाएँ, ऐसा हो सकता है ।

Note : *English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.*